नसीहत

कमल कुलश्रेष्ठ
बी.एच.ई.एल हरिद्वार

जीवन का नहीं है भरोसा, कब ठहर जाए पता नहीं चलता।
तो करना है अभी से ऐसा काम, ताकि याद रहे सबको हमारा नाम।
पर सदा करें ऐसा हो कार्य, जिसमें न हो किसी को तकलीफ।
और संग है इतनी सी नसीहत
करो सिर्फ अपने पर ही विश्वास।
क्योंकि आज का वक्त ऐसा, जिसमें न कर सके कोई एतबार किसी का।
सार है बात का इतना ही, कि अंत काल में न देता साथ सगा भी।
अब ऐसे दिन आये हैं कि .....
जब हों मुश्किलें किसी पर, तब हो जाते सभी दूर उससे।
उस दौर में भी अगर हौसला हो अपने आप पर,
तो तुम कर सकोगे दुनिया मुठ्ठी में,
नहीं तो मिल जाओगे इसी मिट्टी में।
बढ़ते जाओ मार्ग पर अपने,
चाहे हो कठिनाइयाँ कितनी भी आगे
पीछे वापस मत मुड़ना,कदम बढ़ाते ही जाना।
अगर टूटे हिम्मत बीच रास्ते में तुम्हारी,
तो कहना मन को यही,
परेशानियों की राह घनेरी,
कल हट जाएगी ये निशा काली
आएगा सूर्य नव मंजिल लेकर पास।
होगी यदि ऐसी सोच तुम्हारी,
तो जरुर होगा कभी न कभी,
तुम्हारी नयी जिंदगी का शुभ प्रभात।

*****